अमित शाह

गृह मंत्री एवं सहकारिता मंत्री
भारत सरकार

संदेश

हर वर्ष की भाँति, 26 जून को भारत भी **माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी** के नेतृत्व में, पूरी दुनिया के साथ **'नशीली दवाओं के दुरुपयोग और अवैध तस्करी के विरुद्ध अंतरराष्ट्रीय दिवस'** मना रहा है। यह दिवस ड्रग्स के विरुद्ध वैश्विक एकजुटता और इस चुनौती को जड़ से समाप्त करने की दिशा में संकल्प को और अधिक सशक्त करने का प्रतीक है।

ड्रग्स एक ऐसी समस्या है, जो केवल मानव शरीर को ही नहीं, बल्कि समाज, राष्ट्र के भविष्य और उसकी सुरक्षा को भी प्रभावित करती है। इसी कारणवश यह आज वैश्विक समस्या का रूप ले चुकी है। मोदी सरकार ने इस समस्या को अत्यंत गंभीरता से लिया है और इसके खिलाफ **'जीरो टॉलरेंस'** की नीति से कार्य कर रही है। मजबूत संस्थागत ढाँचा, सशक्त एजेंसियाँ, उनके बीच बेहतर समन्वय और व्यापक जनजागरूकता अभियानों के माध्यम से हमारी सरकार 'नशा मुक्त भारत' का निर्माण कर रही है।

इस दिशा में नार्कोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (NCB) भी उल्लेखनीय कार्य कर रहा है। सरकार ने NCB के अभियान को और अधिक प्रभावी बनाने हेतु उसके कैडर का पुनर्गठन किया है और 12 कार्यालयों का उन्नयन किया है। साथ ही साथ 04 नए क्षेत्रीय कार्यालयों एवं 05 नए Zonal कार्यालयों का गठन भी किया गया है। हमारी सरकार ड्रग्स की समस्या को टुकड़ों में देखने के बजाय **'टॉप टू बॉटम' और 'बॉटम टू टॉप'** अप्रोच से इसके पूरे इकोसिस्टम को ध्वस्त कर इसे जड़ से उखाड़ फेंकने की दिशा में कार्य कर रही है।

ड्रग्स की समस्या का समाधान केवल सरकारी प्रयासों से नहीं, बल्कि जनभागीदारी और जनजागरूकता से ही संभव है। इसी उद्देश्य से मोदी सरकार ने **'नशा मुक्त भारत अभियान'** शुरू किया है, जिससे अब तक देशभर के लगभग 5 करोड़ युवा और 3 करोड़ महिलाएं जुड़ चुकी हैं। सरकार 350 एकीकृत पुनर्वास केंद्रों को सहायता दे रही है। ड्रग्स से जुड़ी समस्याओं की रिपोर्टिंग और सहायता के लिए टोल-फ्री हेल्पलाइन 'MANAS - 1933' और **'मानस पोर्टल'** शुरू किए गए हैं, जहाँ नागरिक गोपनीय रूप से मादक पदार्थों की तस्करी और दुरुपयोग की जानकारी साझा कर सकते हैं। तकनीकी युग की चुनौतियों को देखते हुए, जब ड्रग्स का कारोबार डार्क वेब और साइबर स्पेस तक पहुँच चुका है, तो सरकार ने अभियान को तकनीक-संगत बनाते हुए NCB और नेशनल फॉरेंसिक साइंस यूनिवर्सिटी के बीच समझौता ज्ञापन किया है और साइबर पेट्रोलिंग को भी बढ़ावा दिया है।

लगातार.....2/-

कार्यालय : गृह मंत्रालय, नॉर्थ ब्लाक, नई दिल्ली-110001
दूरभाष : 23092462, 23094686, फैक्स : 23094221

आज ड्रग्स का कारोबार राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए भी एक गंभीर खतरा बन गया है, क्योंकि इससे प्राप्त धन का उपयोग आतंकवादी गतिविधियों में किया जा रहा है। चाहे NIDAAN के माध्यम से नार्को अपराधियों के एकीकृत डेटाबेस का निर्माण हो, NCORD पोर्टल, ड्रग्स के स्रोत और गंतव्य की मैपिंग या खुफिया एजेंसियों द्वारा मनी लॉन्ड्रिंग चैनलों की पहचान, इस खतरे से निपटने के लिए मोदी सरकार ने अनेक ठोस पहलें की हैं। इन प्रयासों के सकारात्मक परिणाम सामने आए हैं। वर्ष 2004–14 की तुलना में, 2014–25 के बीच जब्त किए गए ड्रग्स की मात्रा में 4 गुना, उनकी अनुमानित कीमत में 4 गुना, नष्ट किए गए ड्रग्स की मात्रा में 10 गुना और नष्ट किए गए ड्रग्स के मूल्य में 8 गुना वृद्धि हुई है।

मैं आज इस विशेष अवसर पर सभी देशवासियों से एक विशेष अपील करना चाहता हूँ कि ड्रग्स के विरुद्ध इस लड़ाई में देश तभी सफल हो सकता है, जब आप सहयोग करेंगे। सरकार की इस मुहिम से जुड़ें, अपने आसपास सतर्कता रखें और ड्रग्स से संबंधित-किसी भी प्रकार की सूचना सरकार तक पहुँचाएँ। यह समस्या आपके परिवार, आने वाली पीढ़ी, देश के भविष्य और सुरक्षा से जुड़ी है। इसका समाधान हम सबको मिलकर ही करना होगा।

आइए, इस अंतरराष्ट्रीय दिवस पर यह संकल्प लें कि ड्रग्स की समस्या को जड़ से समाप्त कर एक सजग, स्वस्थ और सशक्त समाज का निर्माण करेंगे।

(अमित शाह)